3. सही कथन पर '✓' अथवा गलत कथन पर '✗' का चिह्न लगाइए।

क. हर मार्ग पर वृक्ष, हर मार्ग और धरती स्वच्छ हो। ✓

ख. वन, उपवन सब खुशहाल हों। ✓

ग. केवल गौमाता की भक्ति हो। ✗

घ. भाषा के प्रति प्रेम आवश्यक नहीं है। ✗

ङ. सबको न्याय मिले, कहीं भी अनीति न हो। ✓

श्रुतलेख : सौगंध, स्वच्छ, स्वप्न, मर्यादा, संस्कृति, सम्मान, मातृभक्ति, राष्ट्रशक्ति, सर्वोपरि, तारतम्यता, त्रिदोष, दुर्व्यसन, स्वर्ग, निसर्ग

Analytical Skills

बात सोच की (*कोई एक कीजिए*)

1. 'प्रकृति के विकास में ही धरती का विकास है।' अपने विचार लिखिए।
2. 'विश्वशांति की मुहिम में हमारा भी योगदान हो।' इस विषय में आप क्या कर सकते हैं? बताइए।

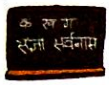

Language Skills

बात भाषा की

1. 'र' के उचित रूपों का प्रयोग करते हुए सार्थक शब्द बनाइए।

क. स्वग स्वर्ग	ख. मयादा मर्यादा	ग. राष्टभक्ति राष्ट्रभक्ति
घ. निसग निसर्ग	ङ. पति प्रति	च. पीत प्रीत
छ. माग मार्ग	ज. दुव्यसन दुर्व्यसन	झ. सवोपरि सर्वोपरि

2. • **'ऋ' स्वर है, इसकी मात्रा 'ृ' होती है; जैसे–ऋ–(ृ) वृक्ष, मातृभक्ति, संस्कृति आदि।**
• **'र' व्यंजन है, वह किसी व्यंजन के साथ संयुक्त रूप में आने पर इससे भिन्न रूप में लिखा जाता है; जैसे–प्राण, पर्व, ड्रम आदि।**

अब आप 'ऋ' के दो शब्द सोचकर लिखिए। ....

3. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए।

क. धरती	धरा	भूमि	ख. उपवन	बाग (वाटिका)	बगीचा (उद्यान)
ग. मार्ग	सड़क,	राह	घ. नारी	स्त्री औरत	वनिता
ङ. जननी	माँ	माता	च. रिपु	शत्रु	दुश्मन

रचनात्मक अभिव्यक्ति Creative Expression